

गत दो दशकों से बिहार के हर चुनाव की शुरुआत नीतीश से होती थी और अंत भी उन्हीं पर होता था

पर अब गिरते स्वास्थ्य के कारण नीतीश के लिए कठिन हो गया है, जदयू को उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए बाध्य करना

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार के प्रभुत्व के कारण बिहार की राजनीति चिरपरिचित और जाने -माने तरीके से ही आगे बढ़ रही थी। अब उनके पीछे हटने से जातीय समीकरणों, गठबंधन की चालों और राजनीतिक अस्तित्व की जद्दोजहद का ऐसा खुला मैदान तैयार हो गया है, जो एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को भी नया रूप दे सकता है। हालांकि, नीतीश ने चुनाव से खुद को पूरी तरह अलग नहीं किया है, लेकिन गिरते स्वास्थ्य के कारण उनके लिए अपनी पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), को फिर से मुख्यमंत्री की कुर्सी तक ले जाना मुश्किल हो रहा है।

पिछले बीस वर्षों से बिहार में हर चुनाव नीतीश कुमार के नाम से शुरू होकर उन्हीं पर खत्म होता था। पार्टियाँ, गठबंधन, जातीय जोड़-तोड़, सब कुछ उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमता था। लेकिन 2025 का चुनाव उनके स्वास्थ्य

- वर्तमान चुनाव में राजनीतिक दल त्रिकोणीय संघर्ष में उलझे हैं और अब बिहार की राजनीति एक ही नेता के चारों तरफ ही नहीं घूमेगी, बल्कि कई सितारे उभरे हैं, अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने के लिए।
 - भाजपा ने अपना दांव कुशवाहा जाति पर लगाया है, जिसके नेता सम्राट चौधरी को अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत कर रही है।
 - भाजपा के मुख्यमंत्री पद के लिए दूसरा विकल्प है, एक्स्ट्रीमली बैकवर्ड क्लास (ईबीसी) के नेता (36 प्रतिशत जनसंख्या) हरी सहनी
 - जदयू की एक दिक्कत यह है, कि हालांकि, उसकी मूल ताकत बिहार में ईबीसी वोट बैंक है, किन्तु उसके चार में से तीन नेता सवर्ण हैं।
 - जदयू की समस्या यह भी है कि नीतीश ने अपने व्यक्तित्व के कारण पार्टी को बांधे रखा और किसी को इतना ताकतवर नहीं बनने दिया कि उनकी जगह ले सके।
- कारणों से उनके राजनीतिक सफर के अंतिम चरण जैसा लग रहा है।

नीतीश के धीरे-धीरे सक्रिय राजनीति से पीछे हटने के साथ, बिहार की राजनीति की गति और परिणाम दिशा तय करने वाले एक नेता द्वारा छोड़ा गया खालीपन एकदम सामने नज़र आने लगा है।

इस खालीपन ने सत्ता की लड़ाई को त्रिकोणीय संघर्ष बना दिया है। भाजपा इस जगह को भरने की कोशिश में है, जदयू अपने परंपरागत वोटबैंक को बचाने की जद्दोजहद कर रही है, और छोटी पार्टियाँ अपना हिस्सा बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास में लगी हैं। इसका नतीजा सिर्फ यह तय नहीं करेगा कि बिहार में कौन सरकार बनाएगा, बल्कि यह भी कि, जाति, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाओं और चुनावी गणित के दबावों के बीच एन.डी.ए. एकजुट रहेगा है या बिखर जाएगा।

इसने एक ऐसे चुनाव का मंच तैयार कर दिया है, जो किसी एक बड़े नेता द्वारा नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धी नेताओं के एक समूह द्वारा परिभाषित होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में महागठबंधन में पड़ी दरार 12 सीटों पर घटक दलों ने एक दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी उतारे

पटना, 22 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले ही महागठबंधन के भीतर सियासी दरारें खुलकर सामने आ चुकी हैं और सहयोगी दल 12 विधानसभा क्षेत्रों में एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं।

जमीनी हकीकत यह है कि जिस महागठबंधन से मिलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को चुनौती देने का सपना देखा था वो अब आपसी संघर्ष से जुड़ा रहा है।

इनमें से 7 सीटों पर मतदान दूसरे चरण, 11 नवंबर को होना है, जबकि 5 सीटों पर पहले चरण, 6 नवंबर को मतदान होगा। दूसरे चरण के लिये नामांकन वापसी की अंतिम तारीख गुरुवार , 23 अक्टूबर है, लेकिन अब तक इन उम्मीदवारों के हटने के कोई संकेत नहीं है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामदल और विकासशील ईंसान पार्टी (वीआईपी) के बीच सीधी टक्कर कई सीटों पर देखने को मिल रही

- इन 12 में से 6 सीटों पर तो राजद और कांग्रेस आमने-सामने हैं।
- सीट शेयरिंग फॉर्मूला के तहत राजद 143 व कांग्रेस 61 सीटें, वामदल 33, मुकेश सहनी की वीआईपी 15 और इंडियन इन्क्लूसिव पार्टी 3 सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। पर, राजद व कांग्रेस के स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व की बात नहीं मानी और वे चुनाव मैदान में उतर गए हैं।
- विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सत्तारूढ़ एनडीए को लाभ होगा।

है। सीट बंटवारे में राजद को 143 और कांग्रेस को 61 सीटें मिली थीं, लेकिन मतदान होगा। दूसरे चरण के लिये नामांकन वापसी की अंतिम तारीख गुरुवार , 23 अक्टूबर है, लेकिन अब तक इन उम्मीदवारों के हटने के कोई संकेत नहीं है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामदल और विकासशील ईंसान पार्टी (वीआईपी) के बीच सीधी टक्कर कई सीटों पर देखने को मिल रही

है। सीट बंटवारे में राजद को 143 और कांग्रेस को 61 सीटें मिली थीं, लेकिन मतदान होगा। दूसरे चरण के लिये नामांकन वापसी की अंतिम तारीख गुरुवार , 23 अक्टूबर है, लेकिन अब तक इन उम्मीदवारों के हटने के कोई संकेत नहीं है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामदल और विकासशील ईंसान पार्टी (वीआईपी) के बीच सीधी टक्कर कई सीटों पर देखने को मिल रही

क्षेत्र से राजद की इशरत परवीन और कांग्रेस के तौकीर आलम खड़े हैं। वैशाली विधानसभा क्षेत्र से राजद के अजय कुशवाहा कांग्रेस के संजीव सिंह के खिलाफ, कहलगांव विधानसभा क्षेत्र से राजद के रजनीश भारती कांग्रेस के प्रवीण कुशवाहा के खिलाफ, वारसलीगंज विधानसभा क्षेत्र से राजद की अनीता देवी कांग्रेस के सतीश कुमार उर्फ मंटन सिंह के खिलाफ और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भीलवाड़ा के धुवाला में नया औद्योगिक क्षेत्र बनेगा

जयपुर, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भीलवाड़ा जिले की माण्डल तहसील के ग्राम

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रीको को 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी।

धुवाला में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री ने रीको को ग्राम धुवाला में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। यह भूमि राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के नियम 11ए के अंतर्गत गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की शर्त पर आवंटित की गई है।

संजय अग्रवाल व वी.के. सिंह सँभालेंगे राजस्थान की कानून-व्यवस्था चौंतीस आईपीएस का तबादला, आनंद श्रीवास्तव डीजीएसओजी, सचिन मित्तल जयपुर पुलिस कमिश्नर बने

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर, 22 अक्टूबर । राज्य सरकार ने आदेश जारी कर बुधवार को भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के 34 अधिकारियों का तबादला किया है। आई.पी.एस. संजय अग्रवाल और वी.के.सिंह को राजस्थान में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जयपुर पुलिस कमिश्नर के पद से बीजू जॉर्ज जोसेफ को हटाकर अब सचिन मित्तल को यह जिम्मा दिया गया है। जोसेफ को मित्तल की जगह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कार्मिक के पद पर लगाया है। साथ ही आई.पी.एस. दिनेश एम.एन. को एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) जयपुर का एडीजी बनाया गया है।

आदेश के मुताबिक संजय कुमार

- दिनेश एमएन को एंटी टैरिस्ट स्क्वाॅड एटीएस तथा एजीटीएफ का अतिरिक्त महानिदेशक बनाया, विशाल बंसल अतिरिक्त महानिदेशक एमओजी बने।

अग्रवाल को महानिदेशक पुलिस तथा वी.के. सिंह को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, कानून एवं व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) के पद पर जिम्मेदारी सौंपी है। वर्ष 1993 बैच के आई.पी.एस. गोविंद गुप्ता को महानिदेशक ए.सी.बी. के पद पर लगाया गया है। इससे पहले वे जेल महानिदेशक थे। इसी प्रकार वर्ष 1994 बैच के आई.पी.एस. अनिल पालीवाल को सरकार ने डीजी प्रशिक्षण एवं यातायात में लगा दिया है। वे अभी तक टेलीकॉम और टैफिक में अपनी सेवा दे रहे थे। 1994 बैच के आईपीएस आनंद श्रीवास्तव को महानिदेशक स्पेशल

ऑपरेशन्स (एसओजी) के पद पर लगाया है। पहली बार एसओजी-एटीएस में डीजी का पद बनाया गया है। वर्ष 1994 बैच के आई.पी.एस. अशोक राठौड़ को जेल महानिदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। मालिनी अग्रवाल को महानिदेशक एवं कमांडेड जनरल, गृह रक्षा, राजस्थान जयपुर, डॉ. प्रशाखा माथुर को अतिरिक्त महानिदेशक आयोजना, आधुनिकीकरण व कल्याण, राजस्थान के पद पर लगाया है। सुष्मिता विश्वास को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल्वेज राजस्थान, संजीव कुमार नर्जी

को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कम निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर, विशाल बंसल को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विशेष प्रचलन समूह (एस.ओ.जी.) के पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसी प्रकार डॉ. हाव सिंह घुमरिया को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध शाखा, राजस्थान, एस.संगाथर को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सतर्कता राजस्थान, पी. रामजी को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जेल राजस्थान, रूपिन्दर सिंघ को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आम्ड बटालियन एवं राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएल) के पद का जिम्मा सौंपा है।

भूपेन्द्र साह को अतिरिक्त पुलिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाराणसी एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की आपात लैंडिंग

वाराणसी, 22 अक्टूबर। कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-6961 को बुधवार शाम ईंधन रिसाव (फ्यूल लीक) की सूचना के बाद

- विमान में ईंधन रिसाव की सूचना के बाद यह कदम उठाया गया।

वाराणसी लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी।

पायलट ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वाराणसी के हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने पर विमान को शाम 4:10 बजे सुरक्षित रूप से रनवे पर उतारा गया।

गोमती जोन पुलिस के अनुसार, विमान में सवार सभी 166 यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। यात्रियों को सुरक्षित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्व के सबसे जाने-माने म्यूज़ियम लूव्र में चोरी की ऐतिहासिक घटना एक टीवी इवेंट बनी चोरी की वारदात की कमियाँ, खास बातों पर टीवी में बहस चल रही है, जैसे कोई क्रिकेट मैच पर एक्सपर्ट कमेंट आते हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित संग्रहालयों में से एक लूव्र को चोरों के एक संगठित गिरोह ने लूट लिया और उन्होंने उन्नीसवीं सदी के अनमोल क्राउन जूल्स चुरा लिए।

चोरी किए गए आभूषण दुनिया के सबसे कीमती आभूषण हैं। जो न केवल लाखों में हैं, बल्कि अपने आप में अनूठे हैं, जिनकी जगह कोई नहीं ले सकता।

चोरी किए गए आभूषण दुनिया के सबसे कीमती आभूषण हैं। जो न केवल लाखों में हैं, बल्कि अपने आप में अनूठे हैं, जिनकी जगह कोई नहीं ले सकता।

चोरी किए गए आभूषण दुनिया के सबसे कीमती आभूषण हैं। जो न केवल लाखों में हैं, बल्कि अपने आप में अनूठे हैं, जिनकी जगह कोई नहीं ले सकता।

- घटना चोरी की अद्भूत थी, क्योंकि रात के अंधेरे में नहीं, दिन के उजाले में म्यूज़ियम खुलने के बाद हुई।
- चोरी गए आभूषण व अन्य आर्टिफैक्ट्स उस काल के थे, जब फ्रांस अपने वैभव के चरम पर था, उन्नीसवीं शताब्दी में।
- एक्सपर्ट इस बात पर एकमत से थे कि बेशकीमती हीरा-पन्ना जटित आभूषण बरामद हो जायेंगे, हालांकि, कई टीमें बनाकर भेजी जा चुकी हैं, चोरी को अंजाम देने वालों को पकड़ने के लिए।

जिस तरह से चोरी को अंजाम दिया, उससे फ्रांसीसी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।

यह कृत्य रात के अंधेरे में नहीं किया गया, बल्कि यह चोरी सुबह के समय संग्रहालय के खुलने के आधे घंटे के अंदर, पेरिस के एक व्यस्त हिस्से के बीच हुई। हालांकि, कुछ संयोग भी थे। अपनी जल्दबाजी या कहां कि

लापरवाही में, चोरों ने सम्राज्ञी यूजीन का अनमोल ताज गिरा दिया, जो नेपोलियन की पत्नी थी, और वह सड़क पर पड़ा हुआ मिला। इस ताज में 1350 से अधिक हीरे और लाम्भा 57 पत्रे थे।

यह चोरी कोई गुप-चुप घटना नहीं थी, बल्कि यह खुलेआम दिन के उजाले में हुई थी, पेरिस के केंद्रीय इलाके में क्वाई फ्रैंकोइस मित्राँ पर, जहाँ एक

बड़ी मोबाइल सीढ़ी लूव्र की दीवारों पर लगाई गई थी, ताकि ऊपरी मंजिल के कक्ष तक पहुंचा जा सके, जहां आभूषण प्रदर्शित थे।

यूरोप भर में और प्रमुख आभूषण विक्रेताओं को इस चोरी के बारे में चेतावनी भेजी गई है ताकि इन अमूल्य कलाकृतियों के खरीद-फरोख्त को जल्दी से ट्रैक किया जा सके। हालांकि,

जिस विशेषज्ञता से पूरी चोरी की योजना बनाई गई और अंजाम दी गई, इससे यह साफ है कि चोर बेहद सतर्क होंगे।

इस दुस्साहसी चोरी में चोरों ने एक ट्रक पर लदी सीढ़ी का इस्तेमाल करके संग्रहालय की पहली मंजिल की खिड़की तक पहुंचे और फिर बिजली से चलने वाले कटर से खिड़की को काटकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद, वे एक गैलरी से होकर यात्रा की और उस कक्ष तक पहुंचे जहाँ आभूषण प्रदर्शित थे।

यह डकैती तो शर्लक होम्स को भी निश्चित रूप से हैरान करती, अगर लूव्र की चोरी का यह मामला बीसवीं सदी की शुरुआत में उनके पास आता और वॉटसन उनके सामने बैठे होते तो वे भी हैरान होते। दुर्भाग्यवश, यह घटना सौ साल बाद हुई, और अब यह केवल शर्लक होम्स सोसाइटी ही है, जो अब

अपने इन-हाउस सर्जों में सक्रिय हो सकती है।

होम्स के जमाने में तो जब टीवी पत्रकारिता अस्तित्व में नहीं थी, लेकिन अभी कई यूरोपीय और अमेरिकी टीवी चैनलस पुराने आभूषण चोरों से बातचीत कर रहे हैं, जो इस पूरे योजना के विशेषज्ञ दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं।

ये पुराने चोर वे पूरी योजना और कार्यान्वयन की सराहना तो करते हैं, वे कई गलतियों और असफलताओं की ओर भी इशारा करते हैं, जो चोरों को पकड़ने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने एक मोटरसाइकिल छोड़ी है, जिसे चोरों ने जलाने की कोशिश की थी।

चुराए गए आभूषणों में नेपोलियन की रानी यूजीन और फ्रांसीसी शाही परिवार के अन्य सदस्यों के आभूषण शामिल हैं। खोए हुए आभूषण मुख्य रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘गृहमंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई’

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आज 61 वें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृहमंत्री को एक्स पर 61 वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर साझा किए गए एक संदेश में, शाह के जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण और भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। " गृह मंत्री अमित शाह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। जनसेवा के प्रति उनका समर्पण और प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए उनके अथक प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें।"